ई–बुलेटिन

कृषिउद्यमी

प्रतीयमान अनुभव को बांटने वाला मंच

खंड –VI अंक –VI

सितम्बर, 2014

प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि

इस अंक में:

- नोडल अधिकारियों के लिए संवेदी–कार्यशाला
- इस माह के कृषि उद्यमी, श्री तुलसीदास एच. लुंगारिया
- इस माह का संस्थान कृषि विज्ञान केन्द्र, बारामती
- पद्मश्री डॉ. वी. सुब्बा. राव, वर्ष 2013 के लिए नवरत्ना क्रॉप साईस प्रा.लि. को रैतुनेस्तम पुरस्कार

कृषिउद्यमी की मुफ्त हेल्पलाइन का उपयोग करें

1800 -425-1556

" कृषि उद्यमिता एक ऐसा प्रतीयमान मंच है जहां कृषि उद्यमियों, बैंकरों, कृषि व्यवसाय कंपनियों, नोडल प्रशिक्षण संस्थानों, विस्तार कार्यकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, अनुसंधानकर्ताओं तथा कृषि व्यवसाय चिंतकों, जो देश में कृषि उद्यमिता विकास के लिए कार्य कर रहे हैं, के अनुभवों को सबके साथ बांटा जाता है।

आत्मा अधिकारी और कृषि उद्यमियों के बीच सार्वजनीक एवं नीजि साझेदारी को सशक्त करने हेतु वाराणसी, उत्तरप्रदेश में एक संवेदीकरण कार्यशाला

संवेदीकरण कार्यशाला में प्रतिभागी सामिल हुए

मैनेज द्वारा अभिकल्पित एक संवेदीकरण कार्यशाला 13 अगस्त, 2014 को श्री मागुरू ग्रामोद्योग संस्थान, वाराणसी में आयोजित की गई। यह कार्यशाला, कृषि–तकनीक प्रबंधन अभिकरण (ATMA) के तहत, ''निजी एवं सार्वजनिक साझेदारी (PPP) को सशक्त करने हेतु संस्थानात्मक मैकॉनिज़म'' अनुसंधान के एक भाग के तौर पर चलाई गई। 8 क्षेत्रों से लगभग 40 कृषिउद्यमियों, उप–निदेशक (कृषि), परियोजना निदेशक (ATMA) परियोजना–उप–निदेशक (ATMA) कृषि विज्ञान केन्द्र, नोडल प्रशिक्षण संस्थान के अधिकारियों आदि ने इस कार्यशाला में भाग लिया। प्रतिभागियों को निजी सार्वजनिक साझेदारी, कृषिउद्यमियों को आत्मा (ATMA) कैफेटेरिया की गतिविधियों और उद्देश्यों से जोड़ने और वाराणसी जिले में अनुसंधान परियोजना प्रणाली पर विचारित विषयों के प्रति संवेदीकृत किया गया । कृषि उद्यमियों को उनके अनुभवों व भविष्य की योजनाओं को आपस में बाँटने की सलाह दी गई । परियोजना निदेशक (ATMA) ने (ATMA) के कार्यक्रमों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा करते हुए कृषिउद्यमियों तथा अन्य भागीदारों के साथ मिलकर काम करने की इच्छा प्रकट की।

कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने (ATMA) के संयोजन से कृषि वेंचरों के लिए सक्षम क्षेत्रों को पहचानने और निजी सार्वजनिक साझेदारी (PPP) विस्तारण में अपनी विशेषज्ञता का परिचय दिया। तत्पश्चात् सभी कृषिउद्यमियों को चार समूहों (खंडवार) में बांट दिया गया और उन्हें कुछ सक्षम क्षेत्रों जैसे – सब्जियाँ, आपूर्ति एवं सलाहकार, मत्स्यिकी, डेरी, पोल्ट्री, मूल्य–वृद्धि, कीट–कम्पोस्टिंग, टिश्यू कल्चर, कोल्ड चेन, फ्लोरी कल्चर आदि पर अपने सुझाव प्रकट करने को कहा गया । इसी प्रकार उन्हें पी.पी.पी. (PPP) की बाधाओं को सूचीबद्ध करने विस्तारण गतिविधियों और संभावित भागीदारों की पहचान करने को कहा गया । सामूहिक कार्यों के परिणामों को, सभी में वितरित किया गया। इस कार्यशाला ने कृषिउद्यमियों, (ATMA) के अधिकारियों, के.वी.के. वैज्ञानिकों और अन्य प्रतिभागियों के बीच संवेदनशीलता सृजित की और, भागीदारिता के माध्यम से कृषि विस्तारण के संभावित क्षेत्रों की भी खोज की। कार्यशाला के संचालन में डॉ. ए.एस.चार्युलु, अनुसंधान सहायक, मैनेज और श्री राम नगीना सिंह कंसल्टेंट, मैनेज ने भरपूर योगदान दिया ।

कृषि उद्यमी बना करोड़पति

श्री तुलसीदास लुंगरिआ किसनोको सम्बोधित करते हुए

जूनागढ़, गुजरात के 38 वर्षीय श्री तुलसीदास एच. लुंगारिया कृषि व्यवसायियों को ए.सी. व ए.बी.सी. प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने हेतु प्रेरित करते रहते हैं। साथ ही वे उन्हें नौकरी की अपेक्षा अपने व्यापार कौशलों को विकसित करने और स्वरोजगार करने की सलाह देते रहे हैं। वे ए.सी. व ए.बी.सी. द्वारा प्रशिक्षित छात्र कृषि उद्यमियों को अपनी कंपनी में काम पर रखते हैं।

श्री तुलसीदास, जूनागढ़ गुजरात के कृषि महाविद्यालय के कृषि विज्ञान स्नातक हैं। ग्रैजुएशन के बाद, उन्होंने एक सेल्स अधिकारी के रूप में अपना कैरिअर आरंभ किया और आराम से जीवनयापन करने लगे । परंतु लगातार यात्राओं और एकरसता ने उनके मन में एक ऊब उत्पन्न कर दी । उनको लगने लगा था कि, उनका जीवन में एक ढर्रे पर चल पड़ा था जिसमें कोई चुनौतियाँ नहीं थीं । धीरे–धीरे उन्होंने अपना खुद का कृषि वेंचर स्थापित करने के बारे में विचार स्थापित करने लगे। इसी बीच उन्हें ए.सी. व ए.बी.सी. योजना की जानकारी एक स्थानीय समाचार पत्र के जरिये मिली । उन्होंने 2012 में अहमदाबाद स्थित अंतर्राष्ट्रीय लोक नेतृत्व स्कूल में आयोजित दो माह के ए.सी.व ए.बी.सी. आवासीय कोर्स में भाग लिया । प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने, लेखाकरण, डी.पी .आर. प्रचालन और विपणन के बारे में बहुत कुछ सीखा । इस प्रशिक्षण के द्वारा उनके भीतर स्वयं का कृषि वेंचर आरंभ करने हेतु आत्मविश्वास पैदा हुआ । आज श्री लिंगारिया, अन्य छात्र कृषि उद्यमियों को नियुक्त कर, चार कृषि कंपनियाँ चला रहे हैं।

कंपनियों का विवरण तथा उनके सेवा क्षेत्र निम्नलिखित है –

- मेसर्स अविराट कॉटन उद्योग प्रा.लि. गौदल राजकोट जिला; यहाँ सूत की गिनिंग और कॉटन के बीजों के तेल–दोहन एवं सीड केक निकालने हेतु उनकी प्रेसिंग की जाती है। इसका वार्षिक टर्नओवर 60 करोड़ रू. है।
- मेसर्स एडवेटा एक्सपोर्ट प्रा. लि. अहमदाबाद, इस उद्यम में जल विलयक उर्वरकों, पौधों के संवर्धनों तथा पोटाशियम ह्युमेट व कल्विक ऐसिड जैसे सॉयल–कंडीशनरों के आयात एवं भारत भर में उनकी थोक आपूर्ति का कार्य किया जाता है। इसके अलावा कॉटन–बेल्स, मूंगफली, मसालों, ताजे फल व सब्जियों जैसे – प्याज, आलू, केलों और अनार का निर्यात भी किया जाता है। इसका वार्षिक टर्नओवर 2 करोड़ रू. है।
- मेसर्स रेनो एग्री जेनेटिक्स प्रा.लि. अहमदाबाद, वार्षिक टर्नओवर 5 करोड़ रू. है। यह कंपनी अरंडी, मूंगफली, राई, प्याज, दालों, गेहूँ और सब्जियों का उत्पादन करती है।
- मेसर्स वाइमॅक्स क्रॉप साइंस लि. राजकोट; इसके अंतर्गत कीटनाशकों, फंगिसाइड्स, पौधा–संवर्धकों, सूक्ष्म पोषक तत्वों आदि के साथ–साथ ऑर्गेनिक कीटनाशकों का भी उत्पादन किया जाता है इसका वार्षिक टर्नओवर 28 करोड़ रू. है।

जूनागढ़ जिले के चिरोड़ा, मेदार्दा तालुक के निवासी श्री अशोकभाई के. टांक (मोबाइल नं. 09913956470) कहते हैं – मैंने अपने पड़ोस के खेत में आयोजित पौधा–संवर्धन नियमन प्रदर्शन देखा और मूंगफली पर उसके संतोषजनक परिणाम से मैं काफी प्रभावित हुआ । अगले सीज़न में मैंने वाइमेन्स के अधिकारियों को आमंत्रित कर वहीं प्रक्रिया मेरे खेत में भी दोहराने का आग्रह किया । उनके मार्गदर्शन में मैंने अपने 3 हेक्टेयर में फैली मूंगफली की फसल पर उन्हीं पद्धतियों को अपनाया । फली का आकार एक जैसा था और उपज में 25प्रतिशत तक बढ़ोतरी देखी गई । अब मैं बेहतर उपज और फायदे के लिए प्लांट ग्रोथ रेगुलेटर को नियमित रूप से अपना रहा हूँ

श्री लुंगारिया के अनुसार, वाइमॅक्स क्रॉप साइंस लि. के तत्वावधान में कंपनी ने गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड पश्चिम बंगाल आदि सात राज्यों में 50,000 से अधिक डेमो संचालित किये । उन्होंने 120 कर्मचारियों को भर्ती किया और 20 कर्मचारियों को कांट्रैक्ट पर काम दिया । 30 प्रशिक्षु बाजार विकास प्रशिक्षुओं के रूप में अप्रेंटिसशिप कर रहे हैं। प्रतिवर्ष एक लाख किसानों तक पहुँचाना उनका लक्ष्य है।

श्री तुलसीदास लुंगरिआ, निदर्शक

विमक्स क्रॉप साइंस लिमिटेड, १०२-१०३ अकीक काम्प्लेक्स यस. जी. रोड , ओप्पोज़िटराजपथ क्लब, अहमदाबाद -३८००१५ गुजरात

टेल: ००९१-७९-२६८७२४८९, मोबाइल: ००९१-९९०९०-४००९५ ईमेल : tulsi@vimaxcropscience.com, वेब : www.vimaxcropscience.com

ए.सी. व ए.बी.सी. प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'करो और सीखो' का दृष्टिकोण; कृषि विज्ञान केन्द्र, बारामती, महाराष्ट्र

कृषि विज्ञान केन्द्र (के.वी.के.), बारामती एक जिला स्तर का फार्म विज्ञान केन्द्र है जो नई तकनीकों को तेजी से किसानों तक पहुँचाता है। के. वी.के. का प्रचालन क्षेत्र पश्चिमी महाराष्ट्र के सूखे क्षेत्र में आता है। के.वी.के. का उद्देश्य है – अनुसंधान संस्थानों में प्रवाहित तकनीक और उत्पादन, उत्पादकता और कृषि तथा संबंधित क्षेत्रों में आय की वृद्धि के लिए उस तकनीक के हस्तांतरण के बीच लगने वाले समय की दूरी को कम करना। इसमें मुख्य रूप से किसानों, महिला–किसानों, ग्रामीण युवाओं और खेत स्तर के विस्तारण को 'करो और सीखो' और 'देखो और यकीन करो' सिद्धांतों के जरिये प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। कृषि विज्ञान केन्द्र बारामती, ए.सी. व ए.बी.सी. प्रशिक्षण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए 2006 से मैनेज से संबंधित रहा है। अब तक के.वी.के. द्वारा 18 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं जिनमें 518 उम्मीदवारों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है और कृषि क्लीनिक्स, कृषि व्यापार केन्द्रों, डेरी, बकरी–पालन, फ्लोरीकल्चर, नर्सरी, संसाधन इकाइयाँ, पोल्ट्री, कस्टम हायरिंग केन्द्रों और दूध–संग्रह केन्द्रों के रूप में 208 किसान अपने वेंचर सफलतापूर्वक चला रहे हैं

श्री नागेश डी. एम्मेवार ,द अमेरिकन सोसाइटी ऑफ़ अग्रोनॉमी के प्रदत्त 'सर्टिफाइड क्रॉप एडवाइजर' है

ए.सी. व ए.बी.सी. के प्रोन्नयन हेतु संस्थान के उत्तम प्रयास –

- ए.सी. व ए.बी.सी. प्रशिक्षण के संबंध में पाठ्यक्रम पूर्व विज्ञापन सभी स्थानीय समा. चारपत्रों और रेडियो पर प्रसारित किए गए ।
- विलंबित प्रस्तावों के पुनरीक्षण व परियोजनाओं की मंजूरी के लिए प्रमुख बैंकों के साथ नियमित रूप से संपर्क करना।
- नये एग्रीवेंचरों की स्थापना के लिए के.वी.के. के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि उद्यमियों का मार्गदर्शन ।
- कृषि व्यापार में नई संभावनाएँ तलाशने हेतु ए.सी. व ए.बी.सी. प्रशिक्षुओं के लिए निजी कृषि कंपनियों के साथ कार्यशालाएँ और बैठकें आयोजित करना।
- सफल कृषिउद्यमियों और ए.सी. एवं ए.बी.सी. प्रशिक्षुओं के बीच वार्ता–सत्रों का आयोजन।
- 'शारदा कृषि वाहिनी 90.8 MHZ ' रेडियो स्टेशन पर ए.सी. व ए.बी.सी. के सफल कृषि उद्यमियों के अनुभवों का प्रसारण ।

ए.सी. एवं ए.बी.सी. योजना की प्रगति – कुल 518 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण दिया गया, जिनमें से 208 कृषि वेंचरों की स्थापना की गई सफलता दर 40.15 प्रतिशत रही ।

डॉ. सै. शाकिर अली,
नोडल अधिकारी,

- डॉ. मतपाटी किशोर श्रीपतराव (एम.एस. 8538) को कृषि विभाग, महाराष्ट्र सरकार की ओर से, 'युवा वैज्ञानिक पुरस्कार ' से सम्मानित किया गया । डेरी प्रबंधन में उनके योगदान के लिए उन्हें पुरस्कृत किया ।
- श्री यम्मेवर नागेश देओजी (एम.एस. 4044) को 2014 में 'अश्वमेध ग्रुप' की ओर से, एग्री–क्लीनिक प्रबंधन की ओर से, राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बाद में, कृषि विभाग महाराष्ट्र सरकार ने भी उन्हें विस्तारण कार्य के लिए सम्मानित किया, ATMA बारामती द्वारा उन्हें शेतकरी मित्र पुरस्कार' प्रदान किया । अमेरिकन सोसायटी ऑफ एग्रोनॉमी के प्रमाणन–बोर्ड द्वारा श्री नागेश देओजी को' प्रमाणित फसल सलाहकार के रूप में सम्मानित किया गया ।

कृषि विज्ञानं केंद्र

बारामती एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट ट्रस्ट्स , शारदानगर, अत पोस्ट मलेगाओं कॉलोनी, ताल बारामती, जिल्हा पुणे-४१३ ४१५, महाराष्ट्र

ईमेल- asshakir74@rediffmail.com, kvkbmt@yahoo.com फ़ोन : 0211 –2255207, मोबाइल: 098224 02768 / 099224 15151,
Fax: 02112-255227

तेलंगाना की कृषिउद्यमी श्रीमती एम. सरिता रेड्डी को पद्मश्री, डॉ. आई.वी.सुब्बाराव रैतुनेस्तम पुरस्कार

नवरत्ना क्रॉप साइंसेस प्रा.लि. एक. अनुसंधान आधारित एग्री बायोटेक कंपनी है जो हैदराबाद में स्थित है। यह कंपनी मिट्टी की स्वच्छता व पुनर्जीवन पौधों के सशक्तीकरण, बायोटिक और अबायोटिक दबावों हेतु व्यस्थित प्रतिरोधन हेतु विभिन्न कृषि उत्पादों का निर्माण करती है; जो आर्थिक और सामाजिक तौर पर दीर्घकालिक होते हैं। कृषि क्षेत्र में कंपनी के अद्भुत योगदान के कारण उसे 'पद्मश्री डॉ. आई.वी.सुब्बाराव रैतुनेस्तम पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

श्रीमती एम . सरिता रेड्डी पद्मश्री डॉ. आई. वी. सुब्बाराओ रेथुइस्ताम अवार्ड -२०१३ से सम्मानित हुई है

समारोह के दौरान, ए.सी. व ए.बी.सी. (PRDIS हैदराबाद) के तहत प्रशिक्षित, कंपनी की मालिक एक महिला कृषि उद्यमी श्रीमती एम.सरिता रेड्डी को श्री वेंकय्या नायडू, शहरी विकास मंत्रालय द्वारा हैदराबाद में पुरस्कृत किया गया । अधिक जानकारी के लिए कृप्या श्रीमती एम.सरिता रेड्डी नवरत्ना क्रॉपसाइंस प्रा. लि. मकान नं. 1–10–94, विठोबा रेसीडेंसी फ्लैट सं. 102 अलवाल टेंपल, मलकाजगिरि आर.आर. जिला टेलीफोन नं. +914065143358 मोबाइल नं. +9190110111138 वेबसाइट www.navaratnacropscience.com

www.agriclinics.net वह पोर्टल है जो एसी तथा एबीसी योजना के बारे में सूचना प्रदान करता है। यह पोर्टल पात्रता मानदंडों, प्रशिक्षण संस्थानों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सहायता कार्यों, वित्त विकल्पों तथा भावी उद्यमियों को सब्सिडी प्रदान करने के संबंध में अद्यतन जानकारी देता है।यह वेबसाइट स्थापित कृषि नव उद्यमों, लंबित परियोजनाओं, संबंधित योजनाओं के ब्यौरों से संबंधित सूचना तथा राज्य सरकारों, कृषि विश्वविद्यालयों, बैंकों, प्रशिक्षण संस्थानों तथा कृषि उद्यमियों के लिए उपयोगी अन्य सूचना भी प्रदान करती है।

एग्री क्लीनिकों तथा एग्रीबिजनेस केंद्रों के संबंध में अधिक स्पष्टीकरण के लिए कृपया इस पते पर मेल करें। indianagripreneur@manage.gov.in

"प्रत्येक कृषक द्वारा बेहतर कृषि"

"कृषिउद्यमी" श्री बी श्रीनिवास, आईएएस,
महानिदेशक, द्वारा प्रकाशित

हमसे संपर्क करें:

कृषि उद्यमिता विकास केन्द्र, (सीएडी)
कृषि विस्तार प्रबंधन के राष्ट्रीय संस्थान
(मैनेज), राजेन्द्रनगर, हैदराबाद,पिन-500 030, भारत
वेबसाइट: www.agriclinics.net
हेल्पलाइन नं. : 1800 425 1556 (टोल फ्री)
ईमेल helplinecad@manage.gov.in

प्रमुख संपादक : श्री वी. श्रीनिवास, आईएएस

संपादक : डा. पी. चंद्रशेखर

सहायक संपादक : डा. लक्ष्मीमूर्ति

: सुश्री ज्योति सहारे

हिंदी अनुवाद : डॉ. के. श्रीवल्ली